क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 265, शनिवार, 20 अक्टूबर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

डीटीसी बसों में भी मेट्रो कार्ड से किराए में 10 प्रतिशत छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के मद्देनजर यात्रियों के बीच सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार के मंत्रिमंडल ने डीटीसी क्लस्टर बसों में कॉमन मोबिलिटी कार्ड (मेट्रो कार्ड) के इस्तेमाल पर 10 प्रतिशत छूट देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। 24 अगस्त से डीटीसी क्लस्टर बसों में मेट्रो कार्ड का उपयोग शुरू हुआ था। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने यहां संवाददाताओं को बताया कि बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुये यह आवश्यक हो गया है कि अधिक से अधिक लोगों को सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने दिल्ली समेत उत्तर भारत में खराब वायु गुणवत्ता को देखते हुये केंद्र सरकार और हरियाणा एवं पंजाब सरकारों से इसके लिए उपाय करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। किसानों को सब्सिडी नहीं दी गई। यह केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की विफ्लता है।

रिजर्व सीटें खाली क्यों, जांच हो : गुप्ता

एलजी से उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग

नई दिल्ली। शिक्षा को लेकर दिल्ली सरकार के दावों की पोल खोलते हुए नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आरोप लगाया कि बीते दो साल से सरकारी स्कूलों में आरक्षित सीटें खाली रह रही हैं। इसके लिए उन्होंने सरकारी प्रयासों को धता बताते हुए कहा कि किन कारणों से 48.39 फीसद सीटें खाली रह गयी। इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने उप-राज्यपाल अनिल बैजल से जांच कमेटी गठित करने की मांग की । नेता विपक्ष का दावा है कि 74 स्कूलों में एक भी आरक्षित सीट नहीं भरी गयी। नेता विपक्ष ने आरोप लगाया कि ऐसा निजी स्कूलों के साथ सरकार की सांठ गांठ के चलते हुआ है। सरकारी की इस ढुलमुल नीति की वजह से कमजोर वर्ग के परिवारों के बच्चे पढ़ने से वंचित रह गये। नेता विपक्ष के मुताबिक 69,866 आरक्षित सीटें खाली रहना चिंता का विषय है। नियमानुसार हर साल सरकारी स्कूलों में कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए 45,122 सीटें खाली रखी जाती हैं। बीते तीन सालों में कुल 1,44,366 आरक्षित सीटों में केवल 74,500 बच्चों को ही मौका मिल पाया। नेता विपक्ष ने साल दर साल का ब्योरा भी दिया है। लगातार तीन साल तक आरक्षित सीटें खाली रहना कमजोर वर्ग के बच्चों के साथ अन्याय है। इसकी जांच होनी चाहिए। नेता विपक्ष ने आशंका जताते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि निजी स्कूलों को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है।

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा के लिए पंजीकरण 5 नवम्बर तक

नई दिल्ली। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं व 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। बिना विलंब शुल्क के 5 नवम्बर तक पंजीकरण कराया जा सकेगा। पंजीकरण विद्यालयों की ओर से कराया जाएगा। बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि ऑल इंडिया योजना के तहत दसवीं के विद्यार्थियों को पांच विषयों के लिए पंजीकरण शुल्क के रूप में 750 रुपए देने होंगे साथ ही प्रत्येक अतिरिक्त विषय के लिए 150 रुपए का भुगतान करना होगा दसवीं के छात्रों को पांच विषयों के लिए 375 रुपए और अतिरिक्त विषय के लिए 75 रुपए का शुल्क जमा कराना होगा।

यौन शोषण के आरोपों से घिरे सेलेब मैनेजर अनिर्बान ब्लाह ने की सुसाइड की कोशिश

नई दिल्ली। मीटू मूवमेंट के तहत सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोप झेल रहे टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी क्वान के फाउंडर अनिर्बान दास ब्लाह ने नवी मुंबई के वाशी ब्रिज से कूदकर सुसाइड करने की कोशिश की।

अनिर्बान दास पर चार महिलाओं ने सेक्सुअल हैरसमेंट के आरोप लगाए हैं। उसके बाद कंपनी ने उन्हें निकाल बाहर कर दिया। माना जा रहा है कि इसी सदमे के चलते अर्निर्बान ने सुसाइड करने की कोशिश की।

ब्रिज से कूदने वाले थे अनिर्बान...

घटना शुक्रवार रात साढ़े बारह बजे की है। अनिर्बान वाशी ओल्ड ब्रिज से कथित तौर पर कूदने वाले थे कि तभी वहां पेट्रोलिंग कर रही ट्रैफिक पुलिस की नजर उनपर पड़ गई। ट्रैफिक पुलिस के सीनियर इंस्पेक्टर ने हालांकि यह भी बताया कि उन लोगों को अनिर्बान के इस कदम का टिप ऑफ मिला हुआ था।

पुलिस ने ऐसे रोका...

हमें मालूम था कि एक इंसान वाशी ब्रिज की ओर सुसाइड के इरादे से आ रहा है। हमने कोई चांस नहीं लिया। हम घात लगाकर बैठे हुए थे। जैसे ही अनिर्बान ने बैरीकैड्स से छलांग लगाने की कोशिश की, हमने उन्हें पकड़ लिया। अनिर्बान लगातार चिल्ला रहे थे। वे हताश लग रहे थे। अनिर्बान की कंपनी रणबीर कपूर, ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ, दीपिका पादुकोण, सोनम कपूर, श्रद्धा कपूर और जैकलीन फर्नांडीज के लिए काम करती है।

दीपिका की कंपनी में भी थे अनिर्बान...

अनिर्बान, दीपिका पादुकोण के मेंटल हेल्थ फाउंडेशन लिव, लव, लाफ के बोर्ड मेंबर्स में भी शामिल थे। चर्चा है कि अनिर्बान को दीपिका के इस फा उंडेशन से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

Kwan एंटरटेनमेंट की तरफसे भी बयान जारी कर बताया गया था कि अनिर्बान को उनके पद से हटा दिया गया है। शायद इसीलिए उन्होंने ये कदम उठाया।

हड़ताल के दौरान निलंबित 88 सफाई कर्मचारी बहाल

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी सफाई कर्मियों की हड़ताल के दौरान निलंबित 88 सफाई कर्मियों को बहाल कर दिया है। इसके अलावा हटाए गए दैनिक वेतनभोगी सफाईकर्मियों को भी वापस ले लिया है। महापौर बिपिन बिहारी सिंह व दोनों जोन उपायुक्तों की उपस्थिति में इन कर्मियों को वापस लेने का ऐलान किया गया। इस दौरान दोनों जोन के सफाई कर्मचारी यूनियन नेता मुख्यालय पहुंचे थे, लेकिन इस दौरान शाहदरा नॉर्थ जोन की यूनियन के नेताओं को ही बैठक में बुलाया गया था। इस दौरान शाहदरा नॉर्थ जोन के उपायुक्त संजीव कुमार ने बताया कि सभी निलंबित सफाई कर्मियों को बहाल कर दिया गया है और हड़ताल के दौरान का वेतन भी दे दिया जाएगा। इस दौरान कुछ सफाई कर्मियों जिन्हें निलंबित किया गया था, उन्हें बहाल करने के पत्र भी दिए गए।

जम्मू-कश्मीर में विदेशी आतंकियों की घुसपैठ बढ़ी

नई दिल्ली। घुसपैठ रोकने के कड़े उपायों के बावजूद कश्मीर में विदेशी आतंकियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। खुफिया सूत्रों की ताजा रिपोर्ट के अनुसार पहले के मुकाबले इस साल विदेशी आतंकियों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 100 से ऊपर पहुंच चुकी है। आशंका जताई गई है कि आईएसआई नए रूट से आतंकियों की बिना हथियार घुसपैठ करा रही है।

सुरक्षा बलों को मिली सूचना के अनुसार, नियंत्रण रेखा एवं अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पिछले एक-दो सालों के दौरान घुसपैठ में कमी आई है। इसका नतीजा यह हुआ कि विदेशी आतंकियों की संख्या घाटी में कम हो गई थी। विदेशी आतंकियों में पाकिस्तानी, पाक अधिकृत कश्मीर और कुछ अफगानी एवं अन्य मूल के आतंकी शामिल हैं।

सूत्रों का कहना है कि आतंकी यदि नियंत्रण रेखा या सीमा से घुसपैठ नहीं कर पा रहे हैं तो दूसरे जिस रास्ते से इनके घुसने की आशंका है, वह नेपाल सीमा है। यहां से बिना हथियार उत्तर भारत में प्रवेश करने के बाद वे कश्मीर पहुंच रहे हैं। इसके बाद कश्मीर में आतंकी संगठन उन्हें हथियार मुहैया कराते हैं।

स्थानीय स्तर पर आतंकी भर्ती बढ़ी

सुरक्षा बलों को मिली ताजा खुफिया रिपोर्ट के अनुसार कश्मीर में इस साल स्थानीय स्तर पर भर्ती बढ़ने के साथ-साथ विदेशी आतंकियों की संख्या भी बढ़ी है। इस साल जहां डेढ़ सौ से अधिक स्थानीय आतंकी भर्ती हुए हैं, वहीं 100 से ज्यादा विदेशी आतंकी भी सक्रिय हैं। जिनमें से दो तिहाई आतंकियों किसी रूट से इसी साल घाटी में घुसे हैं।

तीन सौ से अधिक आतंकी कश्मीर में अभी सक्रिय बताए गए हैं। घाटी में सक्रिय आतंकी संगठनों ने स्थानीय स्तर पर भर्ती के साथ दक्षिण कश्मीर के जंगलों में ही ट्रेनिंग शिविर भी बना दिए थे। दरअसल, प्रशिक्षण के लिए पाक अधिकृत कश्मीर जाना और लौटना भी कठिन था। दूसरे, सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान भारी संख्या में ट्रेनिंग शिविर नष्ट भी कर दिए थे।

आईसीयू में बेड से गिरा मरीज, इलाज के दौरान मौत

गुरुग्राम। आर्टिमिस अस्पताल के आईसीयू में भर्ती एक मरीज की बेड से गिरकर मौत हो गई। इस घटना में मरीज के सिर में गंभीर चोट आने की वजह से बीस दिन बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्जकराई है। हालांकि अभी पुलिस ने इस संबंध में कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया है।

घटना 29 सितंबर की है, लेकिन परिजनों को मामले की जानकारी आठ दिन बाद दी गई। पुलिस के मुताबिक अर्जुन नगर के रहने वाले नवीन ठकराल (41) शुगर के मरीज थे। शुगर लेवल खतरनाक स्तर पर पर पहुंचने की वजह से उन्हें 29 सितंबर को आर्टिमिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके भाई संजय ठकराल ने बताया कि नवीन को इमरजेंसी में भर्ती किया गया था। डॉक्टरों ने नवीन को भर्ती करने के बाद परिजनों को अस्पताल के बाहर बैठने के लिए भेज दिया। थोड़ी ही देर बाद पता चला की नवीन बेड से नीचे गिर गया है। इसके बाद दिन प्रतिदिन नवीन की हालत खराब होती गई।

आठ दिन डॉक्टरों ने बताया कि बेड से गिरने की वजह से नवीन के सिर में गंभीर चोट आई थी।

परिजनों ने आरोप लगाया कि हालत खराब होने पर अस्पताल प्रबंधन को रेफर करने के लिए कहा गया, लेकिन डॉक्टरों ने साफ मना कर दिया। इसी बीच गुरुवार की रात अस्पताल में ही नवीन की मौत हो गई। परिजनों ने इस मामले में अस्पताल के डॉक्टरों व स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खुले उस घर के दरवाजे, जानें क्या हुआ उन 11 पाइपों का

बुराड़ी के जिस घर में 11 लोगों ने की थी आत्महत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के बुराड़ी में एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत की वजह से सुर्खियों में आया भाटिया परिवार का घर एक बार फिर लोगों की चर्चा का विषय बना गया है। करीब साढ़े तीन माह के बाद गुरुवार को यह घर फिर से खुल गया। मकान के खुलते ही घटना के बाद से चर्चा का विषय बने 11 पाइपों को ललित के बड़े भाई दिनेश ने बुधवार को तुड़वा दिया। दरअसल, 11 मौतों को लोग इन पाइपों से जोड़कर देख रहे थे। इसमें सात पाइपें मुड़ीं थीं और चार सीधी थीं। लोगों का मानना था कि मुड़ी पाइपें मृत महिलाओं और सीधी पाइप पुरुषों से जुड़ी हैं। इस बीच पुलिस से परिवार के लोगों पाइपों को तुड़वाने की अनुमति मांगी थी, लेकिन कोर्ट का आदेश नहीं होने के कारण पुलिस ने अनुमति नहीं दी। आखिर जब घर पर कब्जा मिल गया तो दिनेश ने इन्हें तोड़कर बंद कर दिया। वहीं संत नगर की गली संख्या-2 के लोग धीरे-धीरे भाटिया परिवार के साथ ही 1 जुलाई को हुई दिल दहला देने वाली सामूहिक मौत की घटना को भूल चुके थे। मगर, गुरुवार को जब घर और दुकान का ताला खुला तो एक बार फिर पूरी घटना सिलसिलेवार ढंग से लोगों के लिए ताजी हो गई। सुबह करीब 9:30 बजे नौकर राम विलास ने ललित के प्लाईबोर्ड की दुकान ताला खोला और झाड़ू आदि लगाकर ग्राहकों का इंतजार करने लगा। इस दौरान गली से गुजरने वाले लोग दुकान और घर को को खुला देखकर रुक जाते, फिर आपस में चर्चा करते और आगे बढ़ जाते।

ललित के बड़े भाई दिनेश ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ यहां पर आए हैं। घर की साफ सफाई करने के बाद यहां नवरात्रि की पूजा की गई है। उन्होंने बताया कि दुकान के सहारे कई लोगों की जीविका चल रही थी, इसलिए नौकर राम विलास को खोजा गया। फि लहाल, राम विलास से दुकान की देखभाल करने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि उनके घर में रहने से इलाके के लोगों के मन में अंधविश्वास दूर होगा। उन्हें इस घर में रात गुजारने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हुई।

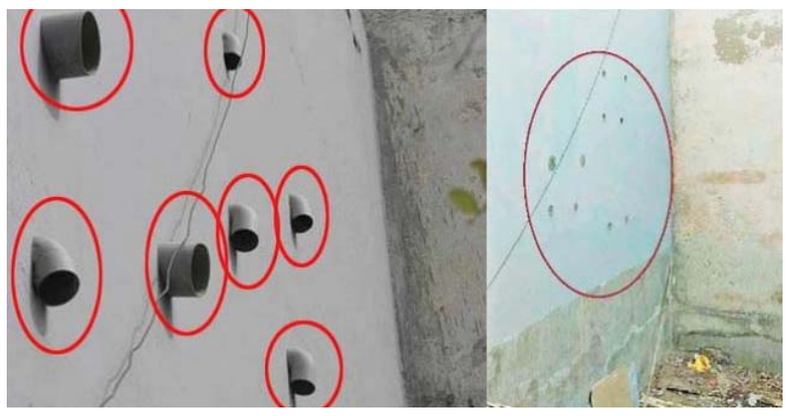

हालांकि, उन्हें पूरे परिवार की याद आ ही रही है। पुलिस का मानना था कि ललित मानसिक बीमारी से ग्रस्त था। इसलिए उसकी साइकोलोजिकल आटोप्सी कराने की बात कही गई। 10 सितंबर को साइकोलोजिकल आटोप्सी की रिपोर्ट में मौत का कारण सामूहिक आत्महत्या माना गया।.

संत नगर की गली संख्या-2 में गुरुवार को खुली ललित की दुकान।

घटना के अहम पड़ाव

1- पुलिस को 1 जुलाई को सूचना मिली कि संत नगर के गली संख्या-2 स्थित एक घर में 11 लोग फांसी पर लटके हुए हैं। सभी लोगों के हाथ, पैर और मुंह बंधे थे। हालांकि, ललित और उसकी पत्नी के हाथ खुले थे।

2- पुलिस ने 2 जुलाई को जब सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली, तो घर में रात 10:30 बजे के बाद कोई बाहरी व्यक्ति जाता हुआ नहीं दिखा। वहीं, जांच के दौरान पुलिस को घर से ललित द्वारा लिखी गईं कई डायरियां मिलीं।

3- डायरियों से पता चला कि ललित यह दावा करता था कि उसपर मृत पिता की आत्मा आती है। वह आत्माओं के कथित दिशा निर्देश पर डायरी में अपने क्रिया कलाप लिखता था। इसमें 1 जुलाई की घटना के बार में भी लिखा था।

4- मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। वहीं, डायरियों से मिली जानकारी के बाद जांच अधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि ललित ने पूरे परिवार को धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर इस कृत्य को करने के लिए प्रेरित किया होगा।

5- इस मामले में 4 जुलाई को आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आधिकारिक तौर पर मौत का कारण दम घुटना और आत्महत्या माना गया। साथ ही, फर्श पर पड़ी ललित की मां की मौत भी पार्शियल हैंगिंग मानी गई।

कांग्रेस के न्याय युद्ध से भाजपा व आप घबरा गए : माकन

पूर्वी दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि कांग्रेस द्वारा शुरू किए गए न्याय युद्ध से भाजपा व आम आदमी पार्टी घबरा गई है। यही कारण है कि प्रदर्शन को कमजोर करने में पुलिस व प्रशासन को पूरी तरह झोंक दिया गया। पूरे क्षेत्र छावनी में तब्दील कर दिया गया और पुतले जब्त कर लिए गए, लेकिन दमनकारी नीति से कांग्रेस घबराने वाली नहीं है, वह अपना अभियान जारी रखेगी। माकन बृहस्पतिवार को गैर-कानूनी सीलिंग के खिलाफ शाहदरा में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व विधायक विपिन शर्मा, डॉ. नरेन्द्र नाथ, हारून युसुफ, भीष्म शर्मा, मतीन अहमद, वीरसिंह धिंगान, अनिल वशिष्ठ, चतर सिंह, निगम पार्षद कुमारी रिंकू, सुशील तिवारी समेत भारी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

»»» एक नवम्बर से शुरू होगी भर्ती प्रक्रिया

यूपी पुलिस में 51 हजार से ज्यादा होंगी भर्तियां

3638 बंदी रक्षक तथा 1924 फायरमैन की भी होगी भर्ती

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पुलिस में सिपाहियों की भर्ती करने जा रही है। प्रदेश में 51 हजार 216 (पुलिस और पीएसी), 3638 बंदी रक्षक तथा 1924 फायरमैन भर्ती होंगे। यह प्रक्रिया एक नवंबर से शुरू होगी। इसके अतिरिक्त जिन करीब 42 हजार पुलिसकर्मियों की परीक्षा, जून में हुई थी, उनकी पुन: परीक्षा 25 और 26 अक्टूबर को ली जाएगी। गौरतलब है कि वर्तमान समय में पुलिस विभाग में लगभग 42 प्रतिशत रिक्तियां पुलिस आरक्षी स्तर पर, 50 प्रतिशत रिक्तियां जेल वार्डन स्तर पर तथा 38 प्रतिशत रिक्तियां फायर मैन स्तर पर चल रही हैं। पुलिस विभाग में सिविल पुलिस एवं पीएसी में कुल स्वीकृत 2 लाख 29 हजार से अधिक पदों में से 97 हजार से अधिक पद वर्तमान समय में रिक्त चल रहे हैं।

अब पहले से चल रही भर्ती और इस नयी भर्ती से अगले वर्ष तक पुलिस विभाग में जो करीब 97 हजार पुलिसकर्मियों की कमी थी, वह पूरी होने की संभावना है। प्रमुख सचिव गृह अरविंद कुमार और पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने बृहस्पतिवार को एक संयुक्त पत्रकार वार्ता में बताया कि 51 हजार 216 पुलिसकर्मियों की भर्ती की जाएगी, जिसमें सिविल और पीएसी, दोनों के जवान शामिल होंगे। इसके अंतर्गत 32 हजार पदों पर सिविल पुलिस के आरक्षियों तथा 19216 पदों पर पीएसी के आरक्षियों की नई भर्ती की जाएगी। इस पद के लिए एक नवंबर से 30 नवंबर तक फार्म भरे जाएंगे। इसकी परीक्षा चार और पांच जनवरी 2019 को हो सकती है तथा परीक्षा का परिणाम जून 2019 के तीसरे सप्ताह में आ सकता है। सिविल कांस्टेबल में महिलाओं के लिए 20 फीसद पद आरक्षित रहेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में अग्निशमन विभाग में अग्निशमन अधिकारी के कुल स्वीकृत 5 हजार से अधिक पदों में से 1924 पद रिक्त चल रहे हैं। इन पदों को भरने के लिए पांच नवम्बर से चार दिसंबर तक आवेदन किया जा सकता है। इसकी परीक्षा की संभावित तिथि 10 जनवरी 2019 तथा परीक्षा का परिणाम जुलाई 2019 में आ सकता है। पुरुष बंदी रक्षकों के कुल स्वीकृत 6490 पदों में से वर्तमान समय में केवल 3514 तथा महिला बंदी रक्षकों के कुल स्वीकृत 721 पदों में से 96 पद ही भरे होने के कारण कारागार प्रशासन विभाग को भी जन शक्ति की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

संपादकीय

कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन

बरीमाला मंदिर में परम्परावादियों, केरल के हिंदू संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन के कारण सुप्रीम कोर्ट और संविधान दोनों का सम्मान नहीं हुआ। शीर्ष अदालत ने पिछले दिनों सभी उम्र की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश की इजाजत दी थी। इस फैसले के बाद बीते बुधवार को पहली बार भगवान अय्यप्पा मंदिर के कपाट तो खुले लेकिन दस से पचास साल की उम्र वाली कोई भी लड़की या स्त्री दर्शन करने में सफल नहीं हो पाई। पुलिस सुरक्षा में आंध्र प्रदेश की माधवी पहली ऐसी रजस्वला आयु वर्ग की महिला थी, जो सबरीमाला पहाड़ी पर चढ़ने में कामयाब तो हो गई, लेकिन परम्परावादियों के भारी विरोध के कारण उसे बिना दर्शन किये ही लौटना पड़ा। जाहिर है कि इस घटना से परम्परावादी समूहों के हौंसले बुलंद होंगे। लेकिन सबरीमाला मंदिर परिसर में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की जिस तरह से धज्जियां उड़ाई गई, उसके लिए एक मात्र जिम्मेदार देशके राजनीतिक दल हैं। पिछले सत्तर सालों से देशमें सत्ता और शक्ति का खेल चल रहा है और इस दरमियान राजनीतिक दलों ने लोगों में वह विवेक ही पैदा नहीं होने दिया, जो संविधान का सम्मान करे। इस बीच आधुनिक मूल्यों के प्रति सजग करने वाला किसी तरह का सुधारात्मक आंदोलन भी नहीं हुआ। सबरीमाला प्रकरण में भाजपा की भूमिका तो सबसे हैरत करने वाली रही है। मुस्लिम समाज में प्रचलित तीन तलाक और हिन्दुओं के सबरीमाला मंदिर का मुद्दा दोनों महिलाओं के अधिकार से जुड़े हुए हैं। तीन तलाक के मुद्दे पर भाजपा ने जैसी बहादुरी दिखाई थी, सबरीमाला में भी उससे ऐसी भूमिका की अपेक्षा थी। लेकिन यहां उसने राजनीतिक कायरता का प्रदर्शन करते हुए वोट की राजनीति के आगे समर्पण कर दिया। यह भाजपा का दोमुंहापन है। जिस पार्टी की केंद्र में सरकार है, उसे राजनीतिक और विवेक दोनों दृष्टियों से सुप्रीम कोर्ट के सही फैसले का सम्मान करना चाहिए। वास्तव में भाजपा ने अपने छोटे और तात्कालिक हित के लिए बड़े और दूरगामी हित को नकार दिया है। अगर उसने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समर्थन किया होता तो समझदार हिन्दू समुदाय और महिलाओं के बीच अच्छा संदेश जाता। इसका लाभ उसे मिलता कि वह वास्तव में स्त्री की पुरुषों से समानता की पक्षधर है। लेकिन सबरीमाला के मुद्दे पर भाजपा ने प्रगतिशील और संविधान सम्मत दृष्टिकोण रखने के बजाय परम्परावादियों का ही समर्थन किया है, उसकी इस भूमिका का वृहत्तर भारत में नकारात्मक असर पड़ेगा।

कैबिनेट ने अपनी मंजूरी

विजयादशमी हमें शास्त्रोचित मागरे से विजय की प्रेरणा देती है। दुर्भाग्यवश भारत में उत्सवों को नेतृत्व द्वारा उनकी महत्ता के अनुरूप समाज जागरण और प्रेरणा के रूप में उपयोग की परंपरा खत्म हो चुकी है, इसलिए इससे सामूहिक वातावरण नहीं बनता। यह होना चाहिए। श्रीराम की रावण पर विजय एक ओर शक्तिसंपन्न-साधनसंपन्न, पर पाप करने वाले अहंकारी-उन्मादी व्यक्तित्व पर सत्य का अनुसरण करने वाले राजपाठ से विरत एक अधिकार एवं साधनविहीन व्यक्तित्व की विजय थी। बांग्ला रामायण में एक समय श्रीराम भी यह देखकर निराश हो जाते हैं कि रावण जैसा पापी किस तरह युद्ध में भारी पड़ रहा है। उनके मन में यह निराशा का भाव भी आता है कि जानकी को मुक्त कराने का संकल्प शायद पूरा नहीं होगा। किंतु अगले ही क्षण उनकी संकल्प शक्ति जगती है। यह प्रसंग हमें प्रेरणा देता है कि अपने चारों ओर झूठ, पाखंड और अन्याय का प्रभुत्व देखकर हम हार न मानें। वस्तुत: आज धर्म, सत्य, न्याय, संयम का अनुसरण करने वाले देश की स्थिति को देखकर निराश हैं। वे देखते हैं कि जिसने कभी धर्म का वरण नहीं किया, केवल अन्याय और झूठ का सहारा लिया उसकी जयजयकार हो रही है, और हम समाज में हाशिए पर जा रहे हैं। देश में भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, अपराध पर लगाम लगाना संभव नहीं हो पा रहा। श्रीराम के पास ज्ञान था, लेकिन जनशक्ति नहीं। उन्होंने रावण जैसे शक्तिशाली राजा से युद्ध करने के लिए जनशक्ति का संचय किया। आम जन-जीव को मिलाकर अपनी सेना बनाई, जितनी बाधाएं आई उनका युक्ति और साहस से सामना किया। उसके बाद उनकी विजय हुई। तो विजयादशमी की कोई प्रेरणा है, तो यही कि हमारी विजय सुनिश्चित है बशर्ते हम सच्चाई और न्याय पर अडिग रहते हुए इसके लिए जन शक्ति का संचय करें। बाधाएं तो आएंगी, उनसे हर बार निराशाएं भी मानस में घर करेंगी, जिनका सामना करना है, वह महाशक्तिशाली दिखेंगे और हैं भी किंतु अंत में विजय सत्य की शक्ति ही होती है। इन्हीं विचारों के साथ हम विजयादशमी पर्व मनाएं।

पर्यावरण के बढ़ते खतर

सरकारें पर्यावरण के बढ़ते खतरे से निपटने के नाम पर उतना कुछ जरूर करती है जितना कि उनके होने का एहसास लोगों को हो सके। उसका पर्यावरण को पुरी तरह से दुरुस्त करने की दिशा में एक जरूरी कदम के रूप में दर्ज नहीं किया जा सकता है। सरकारें कभी नम्बर प्लेट के हिसाब से सड़कों पर बारी-बारी से गाड़ियां चलाने की विधि निकालती हैं। कभी कंक्रीट के जंगल के विस्तार को विराम देती हैं। पर्यावरण को कभी जल तो कभी वायु में बांटकर तरह-तरह की सरकारी कार्रवाइयां देखने को मिलती हैं। लेकिन वह सब केवल सरकार के चलते रहने का एक भ्रम पैदा करने के अलावा ठोस सुधार साबित नहीं होता है। समाज में पर्यावरण की रक्षा के इतिहास को लेकर जितने भी पाठ हमारे बीच मौजूद हैं,

सतीश पेडणोकर

दिल्ली में अक्टूबर का महीना आते ही बच्चों और बूढ़ों समेत तमाम एक करोड़ से ज्यादा लोग घुटन महसूस करने लगते हैं। इसकी एक वजह यह बताई जाती है कि दिल्ली के पड़ोसी राज्यों में नई फसल कटने के बाद खेतों में जो फसलों की जड़ें और सूखे तने बचे रह जाते हैं, उन्हें किसान जलाते हैं। पर्यावरण का न तो कई शहर, कस्बा होता है, और न ही कोई राष्ट्र। पर्यावरण के बिगड़ने का असर पूरी दुनिया को झेलना पड़ता है। हमारे देश में पर्यावरण के प्रति चेतना कई तरह के नशे के कारण दबी हुई है।

सरकारें पर्यावरण के बढ़ते खतरे से निपटने के नाम पर उतना कुछ जरूर करती है जितना कि उनके होने का एहसास लोगों को हो सके। उसका पर्यावरण को पुरी तरह से दुरुस्त करने की दिशा में एक जरूरी कदम के रूप में दर्ज नहीं किया जा सकता है। सरकारें कभी नम्बर प्लेट के हिसाब से सड़कों पर बारी-बारी से गाड़ियां चलाने की विधि निकालती हैं। कभी कंक्रीट के जंगल के विस्तार को विराम देती हैं। पर्यावरण को कभी जल तो कभी वायु में बांटकर तरह-तरह की सरकारी कार्रवाइयां देखने को मिलती हैं। लेकिन वह सब केवल सरकार के चलते रहने का एक भ्रम पैदा करने के अलावा ठोस सुधार साबित नहीं होता है।

समाज में पर्यावरण की रक्षा के इतिहास को लेकर जितने भी पाठ हमारे बीच मौजूद हैं, उनमें एक भी ऐसा पाठ नहीं है, जिसमें सरकार के होने का महत्त्व जाहिर होता है। पर्यावरण के लिए जो भी प्रयास हुए हैं, वे समाज द्वारा किए गए प्रयास दिखते हैं। इन्हें हम कहीं चिपको आंदोलन के रूप में जानते हैं, तो कहीं नर्मदा आंदोलन के रूप में देखते हैं। सत्ता और समाज पर्यावरण के मसले को लेकर अक्सर आमने-सामने होते हैं। अंतत: समाज के व्यापक हिस्से को ही पर्यावरण के खराब होने का खमियाजा भुगतना पड़ता है क्योंकि यह अनुभव किया जा सकता है कि समाज का एक छोटा-सा हिस्सा संसाधनों पर अपने विस्तार के साथ अपने लिए सुरक्षित कोने का भी निर्माण कर लेता है। अनाज में प्रदूषण का असर हो तो वह प्राकृतिक अनाज पैदा करने में खर्च करने लगता है। गर्मियों के लिए हिल्स पर कॉटेज बना लेता है। जो अमीर देश हैं, वे अपने यहां निकलने वाले धुएं की चिमनी का मुंह गरीब देशों की तरफ कर देते हैं।

अपने यहां का कबाड़ गरीब देशों के सिर पर फेंक देते हैं। लिहाजा, समाज के उन हिस्सों को पर्यावरण के लिए चेतना होगा जो कि शासित हैं। गरीबी में बने रहने के कारण भी पर्यावरण से जुड़े हैं। समाज में कई तरह के धार्मिक कर्मकांड है, जो पर्यावरण के लिए नुकसानदेह माने जाते हैं। हिन्दुओं की मूर्तियों के प्रति आस्था पर यहां कोई बहस नहीं है। लेकिन मूर्तियां जिस प्रक्रिया से तैयार की जाती हैं, और फिर उनका इस्तेमाल करने के बाद उनका जिस तरह से विसर्जन किया जाता है, उसे पर्यावरण की दृष्टि से अच्छा नहीं माना जाता है। धार्मिक कर्मकांडों से जो कचरा पैदा होता है, उसके निपटान का सबसे आसान तरीका उन्हें नदियों और तालाबों में फेंक देना माना जाता है। नदियों का हाल हमारे सामने है। हम इस हद तक असंवेदनशील हो चुके हैं कि एक बूढ़ा व्यक्ति गंगा की सफाई की मांग करते- करते अपनी जान दे देता है, और उस पर व्यापक प्रतिक्रिया नहीं दिखती है। इसी तरह से हर दिवाली में पटाखे फोड़ने से पर्यावरण को जो नुकसान होता है, उसे हम ध्वनि और वायु प्रदूषण के रूप में जानते हैं। इसी दिशा में हर वर्ष दशहरे के मौके पर हिन्दू मिथकों से जुड़े कर्मकांडों में एक रावण का पुलता जलाया जाता है। पुतले बड़े-बड़े हों और वे देर तक जलते रहें, इसकी प्रतिस्पर्धा कर्मकांड के आयोजकों में दिखाई देता है। धार्मिक प्रतिस्पर्धा का विकास किस दिशा में है? ठीक वैसी ही होड़ कि ज्यादा से ज्यादा रफ्तार पर सड़कों पर गाड़ियां दौड़ाई जाएं, ज्यादा से ज्यादा ऊंची इमारतें खड़ी की जाएं। इस प्रतिस्पर्धा पर गौर करें तो आखिरकार नुकसान उस पर्यावरण को है, जिसके ठीक होने से गरीबों पर सामाजिक और आर्थिक बोझ कम पड़ता है। समय के साथ यदि विभिन्न स्तरों पर बहुत सारे बदलावों से गुरेज नहीं है, तो फिर धार्मिक स्तर पर भी बदलाव से गुजेर क्यों होना चाहिए? एक तो जलाने की प्रवृत्ति को हिंसक प्रवृत्ति के रूप में हम महसूस करने लगे हैं। दूसरा उससे पर्यावरण को लाभ नहीं होता बल्कि केवल नुकसान होता है, और वह नुकसान लगातार बढ़ता जा रहा है। लिहाजा, दशहरे में पुतले जलाना रूढ़ हो गया है। दूसरा, सामाजिक स्तर पर भी चेतना आई है। सामाजिक चेतना की भी यह मांग है कि इतिहास पर जो प्रदूषण छाया हुआ है, उसे दुरु स्त किया जाए। रावण और उसके परिवार के सदस्यों के पुतले जलाने के दौरान जो प्रक्रिया दिखाई जाती है, उसमें समाज के उन लोगों को ही खुशी में उझलते दिखाया जाता है, जिन्हें ही आखिरकार उस आग की आंच का दर्द पहुंचाता है।गांधी के वक्त अनशन जो संवेदना का सृजन करता था, वह अब नहीं कर सकता है। पर्यावरण का संवेदनाओं और भावनाओं के साथ गहरा रिश्ता है। नये दौर में पूंजीवाद का एक अस्त्र है कि वह गति का इस्तेमाल करे यानी गति को ही उसने अपनी पूंजी बना ली है। एक मनुष्य के भीतर तमाम स्तरों पर गति बढ़ी है, और उसमें तमाम तरह की तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, तो वह पूंजीवाद के पूरे ढांचे के लिए फायदेमंद साबित होती है। यह गति ही तमाम तरह की सामाजिक गतिविधियों के प्रति संवेदना और भावनाओं का निर्धारण करती है। अनशन कृषि और औद्योगिक क्रांति के संक्रमण के दौरान की एक कार्रवाई थी। हाल के दौर में गंगा की सफाई के लिए जीडी अग्रवाल समेत भारत में दर्जनों लोग ऐसे हुए हैं, जो अनशन करते करते मर गए या उन्होंने आत्मदहन कर लिया और उसका किसी आंदोलन के रूप में विस्तार भी दिखाई नहीं दिया। लिहाजा, राजनीतिक संगठनों को भी अपनी गतिविधियों में बदलाव की जरूरत होती है। इसी कड़ी में पुतला दहन के कार्यक्रमों पर भी विचार किया जाना चाहिए। राजनीतिक पार्टियां यदि पर्यावरण के लिए अपनी वास्तव में चिंता जाहिर करती हैं, तो उन्हें पुतलों के दहन को रोकने का फैसला करना चाहिए। पुतले निकाले जाएं और उन्हें जलाने के अलावा अपना विरोध प्रगट करने के कई तरीके हो सकते हैं। केवल राजनीतिक फायदे के लिए पर्यावरण को नारा बनाने के बजाय वास्तविक अर्थो में पर्यावरण की सुरक्षा के मद्देनजर राजनीतिक संगठनों को प्रतीकात्मक तौर पर पर्यावरण की चुनौती को लोगों के सामने पेश करना चाहिए।

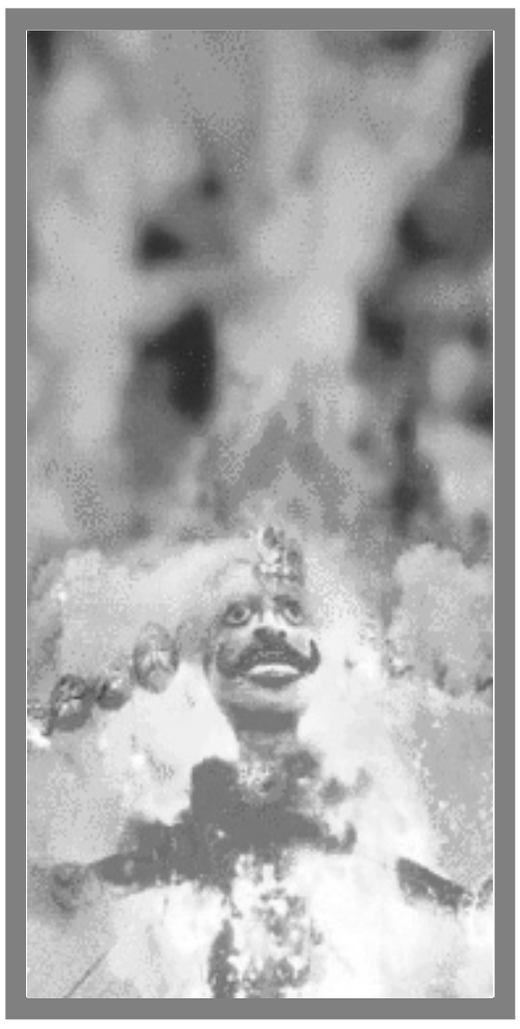

चलते चलते

तमाम पैमानों की सूची

पिछले साल से तीन पायदान नीचे। इंडेक्स में दुनिया भर के देशों में भुखमरी के हालात का आकलन किया जाता है। इसमें भूख से लड़ने में हुई प्रगति तथा उससे जनित समस्याओं के अलावा यह देखा जाता है कि देश की कितनी जनसंख्या कुपोषण की शिकार है। पांच साल कम आयु के कितने बच्चों की लंबाई और वजन उनके उम्र के हिसाब से कम है? बाल मृत्यु दर क्या है?

ग्लोबल हंगर इंडेक्स की 119 देशों की ताजा सूची में भारत 103 वें स्थान पर हैं। पिछले साल से तीन पायदान नीचे। इंडेक्स में दुनिया भर के देशों में भुखमरी के हालात का आकलन किया जाता है। इसमें भूख से लड़ने में हुई प्रगति तथा उससे जनित समस्याओं के अलावा यह देखा जाता है कि देश की कितनी जनसंख्या कुपोषण की शिकार है। पांच साल कम आयु के कितने बच्चों की लंबाई और वजन उनके उम्र के हिसाब से कम है? बाल मृत्यु दर क्या है? इन तमाम पैमानों पर यह सूची तैयार की जाती है। 2014 में भारत 99वें स्थान पर था। साल 2015 में 80वें, 2016 में 97वें और 2017 में 100वें पायदान पर जा पहुंचा। 2014 में नरेन्द्र मोदी सरकार सत्ता में आईथी। तो यह एक प्रकार से उनकी सरकार के समाज कल्याण कार्यक्रमों पर सख्त टिप्पणी है। सूची हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि पाकिस्तान को छोड़ कर जो 108 वें स्थान पर है, के अलावा दक्षिण एशिया के सभी देश क्षेत्र के ''बड़े भाई' भारत से बेहतर हैं। 2005-06 से 2015-16 के बीच 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकालने के बावजूद अगर हम हंगर इंडेक्स में 103 स्थान पर हैं तो इसके लिए सबसे ज्यादा सरकार दोषी है। उसने आय और खाद्यान्न के समान वितरण की बुनियादी जिम्मेदारी निभाने में आपराधिक कोताही की है। मौजूदा संसाधनों के बलबूते ही हंगर इंडेक्स के गैप को पाटा जा सकता है। देशखाद्यान्न में आत्मनिर्भर है। अगर सरकार खाद्यान्नों को सड़ने से बचा ले तो भुखमरी को मात दी जा सकती है। दूसरे, कुपोषण और संसाधन के अभावों में होने वाली असमय मौतों को बेहतर सांस्थानिक प्रबंधन के जरिये कम किया जा सकता है। पर सरकार के पास सही दृष्टिकोण और इच्छाशक्ति का अभाव है। एक तरफ यह शर्मनाक स्थिति है और दूसरी तरफ आप सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट की दावेदारी की बेहाई दिखा रहे हैं। यह ठीक है कि लगभग बिसरा दी गई बढ़ती आबादी भी समस्या का एक जरूरी पहलू है और इसका कोई रास्ता निकालना चाहिए। पर मौजूदा गिरावट के लिए तो सिर्फ सरकार दोषी है।

हशटैग मीटू

जो धर्म तुम्हें अपने मन्दिर में नहीं घुसने देता, ऐसे धर्म से तुम्हारा भला तो नहीं ही होगा!! हशटैग मीटू ने एम. जे. अकबर को अपनी चपेट में ले लिया है। महिलाओं के संघर्ष की जीत हुई है। हालांकि अभी लड़ाई लंबी है। फिर भी एक शुरुआत जरूर हुई है। ताकतवर पुरुओं के खिलाफआवाज बुलंद करना आसान नहीं। फिर भी महिलाओं के एक छोटे लेकिन प्रभावशाली समूह ने यह कर दिखाया है। अकबर एक कद्दावर शख्सियत हैं। कभी राजीव गांधी के आग्रह पर पत्रकारिता छोड़कर राजनीति में आए थे। राजीव गांधी के प्रेस सलाहकर रहे अकबर में मणिशंकर अय्यर को भावी राजनेता दिखाई दिया था। 1989 में उन्होंने बिहार के किशनगंज से अकबर को चुनाव लड़वाया। अकबर जीते। हां, कांग्रेस जरूर हार गई थी। फिर राजीव गांधी की हत्या के बाद सोनिया गांधी ने अकबर को किनारे लगा दिया। 1992 में उन्होंने पार्टी छोड़ी और ''एशियन एज' अखबार में काम करना शुरू किया। उनके खिलाफ अधिकतर मामले उसी समय के हैं। इसी दौरान लाल कृष्ण आडवाणी से निकटता उन्हें भाजपा के करीब ले आई। 2014 में वह भाजपा में पहुंच गए। पत्रकारिता के अपने नेटवर्क्स का इस्तेमाल उन्होंने भाजपा में खूब किया। इसी के चलते उन्हें विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री का दरजा मिल गया। अब अकबर के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों ने सरकार को मजबूर कर दिया कि उनके संबंध में कोई निर्णय ले। तमाम पत्रकारों को अपने पद छोड़ने पड़े। हिन्दुस्तान टाइम्स के राजनीतिक संपादक प्रशांत झा, बिजनेस स्टैंर्डड के प्रमुख संवाददाता मयंक जैन, डीएनए के पूर्व संपादक गौतम अधिकारी और टाइम्स ऑफ इंडिया, हैदराबाद के स्थानीय संपादक के. आर. श्रीनिवास, सभी को हटना पड़ा। दूसरी तरफ, नाना पाटेकर और साजिद खान को ''हाउसफुल 4' छोड़नी पड़ी। निर्माता-निर्देशक विकास बहल के खिलाफ कई मामले उछले तो उनके प्रोडक्शन हाउस ''फैंटम' को उनके साथियों ने बंद कर दिया। इसी तरह कॉमेडियन उत्सव चक्रवर्ती के खिलाफ आरोप लगने के बाद कॉमेडी ग्रुप ''एआईबी' की चूलें हिल गई। ''एआईबी' के सीईओ तन्मय भट्ट ने पद छोड़ दिया। ग्रुप के सह संस्थापक गुरसिमरन खंभा पर भी आरोप लगे। कामकाजी महिलाओं ने ''बहनापा' दिखाते हुए जताने की कोशिश की है कि यौन शोषण और काम करने का असुरक्षित परिवेश अब खत्म होना चाहिए। यह भी जताया है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों, कंपनी मालिकों और सहकर्मियों को कानून का पालन करना ही होगा।

महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित 2013 के कानून को लागू नहीं करतीं। शिकायतों की पूरी तरह से जांच नहीं की जाती। 2013 के कानून के अलावा भी भारतीय दंड संहिता की धारा 354 क महिलाओं को यौन उत्पीड़न के खिलाफ न्याय दिलाने का काम करती है-भले ही उत्पीड़न किसी भी स्थान पर हो। सरकार ने भी हैशटैग मीटू के तहत आने वाले मामलों की जांच मंत्रियों के एक समूह से कराने की तैयारी कर ली है। कार्यस्थल, रिश्तों में और परिवार के भीतर, पुरुषों से जब भी उनका टकराव होगा, वे जवाब देंगी। अनुचित व्यवहार या यौन दुर्व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेंगी। फिर यह सिर्फ कानूनी मामला नहीं है-इसके सामाजिक पहलू भी हैं। पावर डायमिक्स का दुरुपयोग भी है। कार्यस्थलों को सुरक्षित बनाकर ही हम आर्थिक तरक्की का रास्ता साफ कर सकते हैं। हैशटैग मीटू इसी रास्ते को साफकरता है। कार्यस्थलों को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने का काम करता है।

सत्संग

शक्ति

शक्ति की पूजा धरती पर पूजा का सबसे पुराना रूप है। सिर्फभारत में ही नहीं, बल्कि यूरोप, अरेबिया और अफ्रीका के बड़े हिस्सों में स्त्री शक्ति की पूजा होती थी। दुर्भाग्यवश पश्चिम में कथित मूर्ति पूजा और एक से ज्यादा देवों की पूजा के सभी नामोनिशान मिटाने के लिए देवी मंदिरों को मिट्टी में मिला दिया गया। दुनिया के बाकी हिस्सों में भी यही हाल हुआ। भारत इकलौती ऐसी संस्कृति है, जिसने स्त्री शक्ति की पूजा को जारी रखा है। इसी संस्कृति ने हमें अपनी जरूरतों के मुताबिक अपनी देवियां खुद गढ़ने की आजादी भी दी। प्राण प्रतिष्ठा के विज्ञान ने हर गांव को अपनी विशिष्ट स्थानीय जरूरतों के अनुसार अपना मंदिर बनाने में समर्थ बनाया। दक्षिण भारत के हर गांव में आपको आज भी अम्मन (अम्मा) या देवी के मंदिर मिलेंगे। आजकल पुरुष शक्ति समाज में सिर्फ इसलिए महत्त्वपूर्ण हो गई है क्योंकि हमने अपने जीवन में गुजर-बसर की प्रक्रिया को सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण बना दिया है। सौंदर्य या नृत्य-संगीत, प्रेम, दिव्यता या ध्यान की बजाय अर्थशास्त्र हमारे जीवन की प्रेरक शक्ति बन गया है। जब अर्थशास्त्र हावी हो जाता है, और जीवन के गूढ़ तथा सूक्ष्म पहलुओं को अनदेखा कर दिया जाता है, तो पौरुष कुदरती तौर पर प्रभावी हो जाता है। ऐसी दुनिया में स्त्री शक्ति की अधीनता स्वाभाविक है। इससे भी बड़ा संकट यह है कि बहुत-सी स्त्रियों को लगता है कि उन्हें पुरु षों की तरह बनना चाहिए क्योंकि वे पौरुष को शक्ति का प्रतीक मानती हैं। अगर स्त्री शक्ति नष्ट हो गई तो जीवन की सभी सुंदर, सौम्य, सहज और पोषणकारी प्रवृत्तियां लुप्त हो जाएंगी। जीवन की अग्नि हमेशा के लिए नष्ट हो जाएगी। बड़ा नुकसान है, जिसकी भरपाई करना आसान नहीं होगा। आधुनिक शिक्षा का एक दुर्भाग्यपूर्ण नतीजा यह है कि हम अपनी तर्क शक्ति पर खरा न उतरने वाली हर चीज को नष्ट कर देना चाहते हैं। पुरु ष-प्रधान हो जाने के कारण इस देश में भी देवी पूजा बड़े पैमाने पर गोपनीय तरीके से की जाती है। अधिकांश देवी मंदिरों में मुख्य पूजा बस कुछ ही पुजारियों द्वारा की जाती है। मगर इसकी जड़ें इतनी गहरी हैं कि इसे पूरी तरह नष्ट नहीं किया जा सकता। नवरात्र का उत्सव ईर के स्त्री रूप को समर्पित है। दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती स्त्री-शक्ति यानी स्त्रैण के तीन आयामों की प्रतीक हैं। धरती, सूर्य और चंद्रमा या तमस (जड़ता), रजस (सक्रियता, जोश) और सत्व (परे जाना, ज्ञान, शुद्धता) की प्रतीक हैं।

फोटोग्राफी...

अहमदाबाद से 200 किलोमीटर दूर केवदिया कॉलोनी में बृहस्पतिवार को सरदार बल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा ''स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' को अंतिम रूप देते निर्माणकर्मी।

सार समाचार

आईएस ने सीरिया में 700 को बंधक बनाया, कुछ की हत्या की: पुतिन

मास्को। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि सीरिया में इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों ने कम से कम 700 लोगों को बंधक बनाया है और उनकी हत्या कर रहे हैं। पुतिन ने बृहस्पतिवार को सोचि में एक अंतरराष्ट्रीय नीति मंच को संबोधित करते हुए कहा, ''वे अपने क्षेत्र का विस्तार कर रहे हैं और उन्होंने कम से कम 130 परिवारों को बंधक बनाया है जिसमें करीब 700 लोग हैं।'' उन्होंने कहा कि आंतकवादियों ने कुछ मांगें रखी हैं और चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे प्रतिदिन 10 व्यक्तियों की हत्या कर देंगे। पुतिन ने मांगों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। पुतिन ने कहा कि उन्होंने दो दिन पहले 10 लोगों की हत्या की हैं। सरकारी समाचार एजेंसी तास ने एक ''राजनयिक- सैन्य सूत्र के हवाले से बुधवार को कहा कि आंतवादियों ने एक शरणार्थी शिविर पर हमला करके लोगों को बंधक बना लिया और वे सीरिया से आईएस सदस्यों को रिहा करने की मांग कर रहे हैं।

खशोगी के मामले को बहुत गंभीरता से लिया है- माइक पोंपियो

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका ने सऊदी अरब के असंतुष्ट पत्रकार जमाल खशोगी की गुमशुदगी को बहुत गंभीरता से लिया है और सऊदी अरब के नेतृत्व ने उन्हें मामले की समयबद्ध जांच का भरोसा दिलाया है। पोंपियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस मुद्दे पर जानकारी दी और इस हफ्ते इस बाबत सऊदी अरब और तुर्की के नेताओं से की गई बातचीत से भी अवगत कराया। पोंपियो बुधवार को ही रियाद और अंकारा की यात्रा से लौटे हैं। पोंपियो ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान सऊदी अरब और तुर्की, दोनों की सरकारों ने खशोगी की गुमशुदगी के मामले की पूर्ण जांच कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने समकक्षों को बता दिया है कि हमने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस मामले की समयबद्ध और पूरी तथा व्यापक जांच चाहता है। पोंपिया ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को सलाह दी है कि अमेरिका को जांच करने के लिए सऊदी अरब को कुछ और दिन देने चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारा सऊदी अरब से लंबा सामरिक रिश्ता है और इस पूरी प्रक्रिया में हमें उसका भी ध्यान रखने की जरूरत है। खशोगी (60) के बारे में ऐसा शक है कि उनकी इंस्ताबुल में सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में हत्या कर दी गई है। वह सऊदी अरब की सरकार के आलोचक थे।'

25 देशों को पछाड़कर भारत का ये राज्य बना दुनिया का पहला 100 फीसदी ऑर्गेनिक स्टेट

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क। नॉर्थ ईस्ट के छोटे से राज्य सिक्किम ने दुनिया के मंच पर भारत का सिर ऊंचा कर दिया है. कामयाबी की किताब में उसने एक और पन्ना जोड़ दिया. आज जब पूरी दुनिया खाद्य पदार्थों में कैमिकल के बढ़ते प्रयोग से परेशान है, ऐसे में 6 लाख 10 हजार की आबादी वाला ये छोटा सा राज्य दुनिया का पहला 100 फीसदी ऑर्गेनिक स्टेट बन गया है. 16 मई 1975 को भारतीय गणराज्य में जुड़े इस राज्य में पिछले 25 साल से पवन चामलिंग की सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट का शासन है. 2016 में पीएम मोदी ने सिक्किम को देश का पहला ऑर्गेनिक स्टेट घोषित किया था. गुरुवार को खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने कृषि तंत्र और सतत खाद्य प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए सिक्कम को 'सर्वश्रेष्ठ नीतियों का ऑस्कर' पुरस्कार दिया है. सिक्कम भारत का पहला ऐसा राज्य है जहां ''पूर्णत- यानि 100 प्रतिशत जैविक कृषि'' की जाती है. एक बयान के मुताबिक पूर्वोत्तर के इस राज्य ने 25 देशों की 51 नामित नीतियों को पीछे छोड़ते हुए पुरस्कार जीता. ब्राजील, डेनमार्क और क्विटो (इक्वाडोर) ने रजत पुरस्कार जीते.

इमरान खान का नया पाकिस्तान, सरकारी दफ्तरों में बिना दुपट्टा महिलाओं के घुसने पर लगा बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जहां एक तरफ इमरान खान पाकिस्तान में महिलाओं और पुरुषों को बराबरी का हक दिलवाने के लिए बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, वहीं उन्हीं के मंत्री महिलाओं को बिना दुपट्टा के सरकारी भवनों में प्रवेश के लिए रोक लगाने का आदेश देते हैं. ताजा मामला पंजाब के लाहौर प्रांत का हैं. जहां पर एक महिला को बिना दुपट्टा के सरकारी भवन में प्रवेश पर रोक लगा दिया गया. बताया गया है कि यह रोक लगाने का आदेश पंजाब के प्राथमिक और माध्यमिक हेल्थकेयर मंत्री डॉ यास्मीन रशीद ने दी थी. यह जानकारी एक ट्विटर यूजर सिदरा बट ने माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर वीडियो के जरिए साझा किया है.

सिदरा बट ने अपने वीडिया के कैप्शन में लिखा है कि 'मैं सिविल सचिवालय गई थी, जहां सुना था कि महिलाएं बिना दुपट्टा के प्रवेश नहीं कर सकती हैं. मैंने प्रवेश के लिए अनुमित मांगी लेकिन हमे प्रवेश नहीं दिया गया. मैं उनसे लिखित प्रमाण भी मांगे लेकिन उन्होंने हमें अंदर नहीं जाने दिया. बताया गया कि मंत्री डॉ यास्मीन रशीद का आदेश है कि बिना दुपट्टा के महिलाओं का प्रवेश नहीं है.

वीडिया के कैप्शन में सिदरा बट ने मंत्री डॉ यास्मीन रशीद को टैग करते हुए लिखा है कि आप भी देखिए हमें किस तरह अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है. वीडियो में सिदरा बट गार्ड से कह रही हैं कि हमने कोई भी आपत्तिजनक पोशाक नहीं पहनी है. फिर भी गार्ड ने अंदर जाने से मना कर दिया और सिदरा से कहा कि 'आप दुपट्टा पहन लीजिए, मैं आपको अंदर जाने की अनुमति दे देंगे.

इतना कुछ होने के बाद भी गार्ड सिदरा को अंदर जाने की अनुमति नहीं देता है. सिदरा फिर गार्ड से कहती है कि क्या मंत्री के कार्यालय मंत्री के कार्यालय में प्रवेश करने के लिए अपने सिर को ढकने की जरूरत है. इस पर गार्ड कहता है कि अगर आपके पास दुपट्टा न हो तो मैं किसी से उधार के लिए कह सकता हूं.

इस वीडियो के जारी होने के बाद ट्विटर यूजरों ने पाकिस्तान पीएम इमरान खान और उनके मंत्री की कड़ी आलोचना की है और इस नियम की कड़ी निंदा करते हुए इस बेतुका आदेश के तर्क पर भी सवाल उठाते हुए कहा है कि इमरान किस तरह का नया पाकिस्तान बनाना चाहते हैं.

अमेरिका: 2017 में 50,000 भारतीयों ने ली अमेरिकी नागरिकता

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका ने 50,000 से ज्यादा भारतीयों को 2017 में अमेरिकी नागरिकता प्रदान की है जो 2016 के मुकाबले चार हजार ज्यादा है। न्यूज एजेंसी भाषा के मुताबिक आंतरिक सुरक्षा विभाग ने अपनी हालिया आव्रजन रिपोर्ट में कहा है कि 2017 में 50,802 भारतीयों ने अमेरिकी नागरिकता स्वीकार की।

यह संख्या 2016 में नागरिकता लेने वाले 46,188 भारतीयों के मुकाबले चार हजार ज्यादा है। जबकि 2015 के मुकाबले अमेरिकी नागरिकता लेने वाले भारतीयों की संख्या में आठ हजार का इजाफा हुआ है। 2015 में 42,213 भारतीयों ने अमेरिकी नागरिकता ली थी। रिपोर्ट के अनुसार, 2017 में कुल 7,07,265 विदेशी नागरिकों ने अमेरिकी नागरिकता स्वीकार की। उसमें कहा गया है कि नागरिकता प्राप्त करने वाले भारतीयों में से सबसे ज्यादा करीब 12,000 लोग कैलिफोर्निया में रहते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मैक्सिको सीमा बंद करने की धमकी दी

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को अमेरिका की मैक्सिको से लगने वाली दक्षिणी सीमा को बंद करने और मध्य अमेरिका से आने वाले अवैध आव्रजकों को रोकने के लिये सेना तैनात करने की धमकी दी। ट्रंप ने ट्वीट कर अल सल्वाडोर, होंडुरास और ग्वाटेमाला जैसे देशों को अमेरिका की तरफ से दी जाने वाली आर्थिक सहायता भी बंद करने की धमकी दी क्योंकि उन्हें लगता है कि यहां से अवैध आव्रजक आते हैं। उन्होंने विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी पर ऐसे अवैध आव्रजकों को समर्थन देने का भी आरोप लगाया।

ट्रंप ने ट्वीट कर कहा कि वह डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व में, ग्वाटेमाला, होंडुरास और अल सल्वाडोर द्वारा हमारे देश पर हो रहे हमले पर नजर रख रहे हैं। उनके नेता लोगों के इस बड़े प्रवाह को रोकने के लिये बेहद कम प्रयास कर रहे हैं। इस वजह से कई अपराधी भी मैक्सिको से अमेरिका में प्रवेश कर रहे हैं।

कैथोलिक चर्च उत्पीड़न मामले में अमेरिका ने संघीय जांच शुरू की

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने कैथोलिक पादरियों द्वारा किए गए यौन उत्पीड़न मामले में पेनसिल्वेनिया के डायोसिस को समन जारी कर पहली बार इस संबंध में संघीय जांच शुरू कर दी है। राज्य में लंबे वक्त तक हुए इन यौन उत्पीड़न के मामलों पर एक रिपोर्ट प्रकाशित होने के दो महीने बाद यह कार्रवाई हुई है। फिलाडेल्फिया आर्चडायोसिस ने बृहस्पतिवार को अपनी वेबसाइट पर पुष्टि की उसे, 'संघीय ग्रांड जूरी द्वारा जारी एक समन प्राप्त हुआ है जिसमें कुछ दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा गया है।÷ उसने कहा, 'आर्चडायोसिस इस संबंध में अमेरिकी न्याय मंत्रालय के साथ सहयोग करेगा।' पश्चिमी पेनसिल्वेनिया में ग्रैन्सबर्ग डायोसिस ने भी पुष्टि की है कि उसे समन जारी किया गया है जो ग्रांड जूरी रिपोर्ट में वर्णित किए गए भयावह दुराचार को ध्यान में रखते हुए बिलकुल भी चौंकाने वाला नहीं है। डायोसिस ने कहा, 'पीड़ित, पादरी और लोग इस बात के सबूत देखना चाहते हैं कि प्रत्येक डायोसिस ने बच्चों को सुरक्षित करने के लिए व्यापक, निर्णायक एवं प्रभावी कार्रवाई की है।' राज्य के छह अन्य डायोसिस से तत्काल टिप्पणी नहीं हासिल की जा सकी लेकिन अमेरिकी मीडिया ने खबर दी है कि पांच ने पुष्टि की है कि उन्हें संघीय समन प्राप्त हुए हैं और वे जांचकर्ताओं के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

अफगानिस्तान: चुनाव से पहले पाकिस्तान ने 2 सीमा पर सभी तरह के यातायात को किया बंद

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने युद्धग्रस्त देश में आगामी संसदीय चुनाव सुचारू तरीके से कराये जाने के लिए काबुल के अनुरोध के चलते दो दिनों के लिए अफगानिस्तान से लगे दो मुख्य सीमा द्वारों को शुक्रवार को बंद कर दिया. विदेश अधिकारी ने बताया कि अफगानिस्तान सरकार ने 19 और 20 अक्टूबर को चमन और टोरखाम में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर पारगमन मैत्री द्वारों को बंद करने का एक आग्रह किया. एफओ ने बताया, ''देश में आगामी (शनिवार को) संसदीय चुनाव सुचारू तरीके के कराये जाने में अफगानिस्तान को समर्थन देने का निर्णय (द्वार बंद करने का) लिया गया. '

उन्होंने आगे बताया कि आपात मामलों को छोड़ कर दोनों पारगमन बिन्दुओं को सभी तरह के यातायात के लिए बंद कर दिया गया है. व्यापार, चिकित्सा उपचार और रिश्तेदारों से मिलने के लिए हर दिन हजारों लोग दोनों देश आते-जाते हैं. उधर अफगानिस्तान ने कंधार प्रांत में अमेरिका-अफगान सुरक्षा बैठक को निशाना बना कर किए गए एक आतंकवादी हमले में एक पुलिस प्रमुख के मारे जाने के बाद प्रांत में संसदीय चुनाव शुक्रवार को टाल दिया गया है. राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की एक विशेष बैठक के बाद राष्ट्रपति अशरफ गनी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि शनिवार को होने जा रहे संसदीय चुनाव एक सप्ताह के लिए टाला जा रहा है.

उन्होंने कहा कि स्वतंत्र चुनाव आयोग नयी तारीखों की घोषणा करेगा. गौरतलब है कि सुरक्षा बलों की पोशाक में बृहस्पतिवार को एक बंदूकधारी ने अमेरिका-अफगान सुरक्षा बैठक को निशाना बना कर हमला किया था.इस हमले में अफगानिस्तान में अमेरिका और नाटो के कमांडर जनरल स्कॉट मिलर बाल - बाल बच गए, लेकिन कंधार के पुलिस प्रमुख जनरल अब्दुल रजीक मारे गए. साथ ही, प्रांतीय खुफिया इकाई के प्रमुख और एक अफगान पत्रकार भी इस हमले में मारे गए. वहीं, 13 अन्य लोग घायल हो गए. इस चुनाव में तीन साल से अधिक की देर हो चुकी है और तालिबान के हमले के बाद मतदान प्रतिशत कम रहने की आंशका जताई जा रही है.

अफगान हमले से कंधार की सुरक्षा स्थिति नहीं बदलेगी: मैटिस

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

सिंगापुर। अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने शुक्रवार को कहा कि शीर्ष अफगान अधिकारी की हत्या से कंधार प्रांत में सुरक्षा स्थिति नहीं बदलेगी। अशांत दक्षिणी प्रांत में बृहस्पतिवार को हुए इस हमले की जिम्मेदारी तालिबान ने ली जिसमें तालिबान विरोधी दबंग अधिकारी एवं पुलिस प्रमुख जनरल अब्दुल रजीक की मौत हो गई। उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक को लक्ष्य बनाकर कंधार शहर के एक सरकारी परिसर में किए गए इस हमले में कम से कम दो अन्य लोग भी मारे गए हैं।

अमेरिका एवं नाटो बलों के शीर्ष कमांडर जनरल स्कॉट मिलर भी इस बैठक में मौजूद थे जो इस हमले में घायल हो गए।मैटिस ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि रजीक की मौत से कंधार में जमीनी स्तर पर कोई बदलाव आएगा। सिंगापुर में सुरक्षा शिखर वार्ता से इतर मैटिस ने संवाददाताओं से कहा, ÷मैंने उनके साथ के अधिकारियों को देखा है। मैंने अफगान सुरक्षा बलों की परिपक्वता देखी है।÷ पेंटागन प्रमुख ने कहा, ÷अफगानिस्तान के लिए एक देशभक्त को खोना दुखद है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि इससे हमारे क्षेत्र पर कोई दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा।÷ साथ ही उन्होंने कहा कि इसके बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता कि इस हमले से 20 अक्टूबर को होने वाले चुनावों में मतदाताओं की संख्या प्रभावित होगी।

लापता पत्रकार की जांच से जुड़ा कोई टेप अमेरिका को नहीं दिया गया: तुर्की

इस्तांबुल (एजेंसी)।

तुर्की ने शुक्रवार को इस बात से इंकार किया कि उन्होंने पत्रकार जमाल खशोगी के लापता होने के मामले से जुड़ा हुआ 'किसी भी तरह का ऑडियो टेप' अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ या किसी अन्य अमेरिकी अधिकारी को दिया है. खशोगी सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास गए थे, जिसके बाद से वह लापता हैं. तुर्की के विदेश मंत्री मौलूद जावेश उगलू ने बताया, 'सवाल ही नहीं उठता है कि तुर्की ने किसी भी तरह का ऑडियो टेप पोम्पिओ या किसी अन्य अमेरिकी अधिकारी को दिया है.' अमेरिका के विदेश मंत्री पोम्पिओ के साथ अंकारा में बैठक करने के दो दिन बाद तुर्की के विदेश मंत्री का यह बयान सामने आया है.

तुर्की के सरकार समर्थक प्रेस ने यह खबर प्रकाशित की थी कि तुर्की के पास एक ऑडियो रिकॉर्डिंग है जिससे यह साबित होता है कि खशोगी की कथित हत्या सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में हुआ है और हत्या से पहले उन्हें प्रताड़ित किया गया. तुर्की के अधिकारियों ने कभी टेप होने की खबर की पुष्टि नहीं की है.

एबीसी न्यूज ने तुर्की के एक वरिष्ठ अधिकारी को उद्धृत करते हुए यह खबर प्रकाशित की थी कि पोम्पिओ ने तुर्की दौरे के दौरान ऑडियो और उसका मजमून भी देखा है. पोम्पिओ ने इस रिपोर्ट से इंकार किया है. लातीन अमेरिका की यात्रा के दौरान पोम्पिओ ने संवाददाताओं से कहा, 'मैंने कोई टेप नहीं देखा और न ही कोई टेप सुना.'

अनादोलु समाचार एजेंसी की एक खबर में तुर्की के विदेश मंत्री मौलूद जावेश उगलू को यह कहते हुए उद्धृत किया गया, 'जांच के परिणाम को हम पूरी दुनिया के साथ साझा करेंगे. हमारे लिए यह सवाल ही नहीं है कि हम यह या कोई और जानकारी साझा करें.'

वहीं इस मामले की जांच के संबंध में तुर्की के अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि सऊदी अरब के लापता पत्रकार का अवशेष इस्तांबुल के बाहर के जंगलों या किसी अन्य शहर में ले जाया गया है या नहीं. अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने यह पता लगाया है कि सऊदी वाणिज्य दूतावास की दो गाड़ियां दूतावास से उस दिन बाहर निकली हैं और गायब हो गई हैं, जिस दिन खशोगी दूतावास गए थे.

अधिकारी ने बताया कि इनमें से एक वाहन इस्तांबुल के बाहर 'बेलग्रेड फॉरेस्ट' गया था जबकि दूसरी गाड़ी यालोवा गई. अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि पुलिस ने इन क्षेत्रों की जांच की है या नहीं.

पत्रकार के साथ हेड कॉस्टेबल द्वारा दुर्व्यवहार का मामला

ज्यूडिशियल काउंसिल ने पुलिस कमिश्नर को लिखा पत्र

सूरत। लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ मीडिया पर हो रहे लगातार हमले तथा भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा मीडिया कर्मियों को झूठे मामलों में फसाए जाने की बढती घटना को गंभीरता से लिया है। केन्द्र सरकार ने अध्यादेश जारीकर सभी राज्यों के प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पत्रकारों के साथ अभद्रव्यवहार करने तथाउनकों धमकाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जिसके तहत सूरत शहर के पुलिस कमिश्नर सतीश शर्मा को ज्यूडिशियल कमिशन द्वारा पत्र लिखा गया है। जिमें पाण्डेसरा जी.आई.डी.सी थाने में तैनात पुलिस हेड कॉस्टेबल संजय प्रभदास पटेल तथा नेफाभाई मुभाभाई ढोलचर क विरुद्ध जांच कर कानून कर्रावाई करने को कहा गया है। विदित हो कि 17 अकटूबर 2018 की सुबह 11 बजे के करीब क्रांति समय के संपादक सुरेश मौर्या ने पांडेसरा जी.आई.डी.सी पुलिस स्टेशन में शिकायत की थी कि पांडेसरा क्षेंत्र स्थित मणिनगर सोसायटी में कुछ असामाजिक तत्व रहते है जिनकी असलील और अमर्यादित हरकतों के कारण पूरी सोसायटी के लोग परेशान है। इस तरह की शिकायत दिए जाने पर हेड कास्टेबल संजय प्रभूदास पटेल तथा नेफाभाई मुजाभाई ने शिकायत कर्ता को बुराभला कहना शुरु कर दिया और कहने लगे तुम अपना काम देखे पूरे गांव का ठेका लेने की जरुरत नहीं है। अगर तुम इनके खिलाफ फरियाद दर्ज करने की कोशिश करोंगे तो में सामने वाली पार्टी से तुम्हारे विरुद्ध फर्जी मामला दाखिल कराकर ऐसे केस में फसाउंगा की नेतागिरी भूल जाओगे। उपरोक्त पुलिस कर्मियों द्वारा यह पूछे जाने पर कि तुम किस हेसियत से इनके खिलाफ फरियाद कर रहे हो तो सुरेश मौर्या ने बताया कि में एक पत्रकार हुं और क्षेत्र में हो रेह असामाजिक प्रवृतियों पर नजर रखना मेंरा कर्त्तव्य है। इस पर उपरोक्त कर्मियों ने उनका आई कार्ड दिया तो उन दोनों ने कार्ड हाथ से झपट कर छीन लिया और उसे पैरों तले रौंदने लगे।

इन दोनों पुलिस कर्मियों ने सुरेश मौर्या को धमकाते हुए कहा कि यदि मामले को आगे बढाओगेतो तुझ ऐसे मामले में फसाएंगे की तुम्हारी जमानत तक नहीं हो पाएगी। इस घटना के बाद सुरेश मौर्या ने ज्युडिशियल काउंसिल में मामले की जानकारी दी। जिसपर ज्यूडिशियल काउसिल के डायरेक्टर जनरल एडवोकेट राजीव आग्निहोत्री ने सूरत के पुलिस कमिश्नर सतीश शर्मा तथा डिप्टी पुलिस कमिश्नर को पत्रलिखकर मामले की जांच उच्च अधिकारियों से कराने तथा आरोपी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करने को कहा है।

सूरत। नवरात्रि के आखिरी दिन व विजय दशमी के दिन सभी भक्तगणो माता दुर्गा की पुजा अर्चना करके मूर्ति का विसर्जन किया।

पांडेसरा में युवक पर जानलेवा हमलाा

सूरत। शहर के पांडेसरा सुडा आवास के पास गत रोज रात को युवक को चार लोगों ने मारपीट कर चाकू से हमला कर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी अनुसार भेस्तान सुडा आवास में रहनेवाले जतिन कमलेश टेलर गत रोज रात को अपने घर के समीप खड़ा था तभी पुराने झगड़े की रंजिश रखकर सुडा आवास में रहनेवाले आर.के. राज, राजा तथा अन्य अज्ञात ने डंडे से मारपीट की तथा छाती और हाथ में चाकू से वार कर फरार हो गए।

चोरी का मोबाईल बिक्री करने वाला गिरोह गिरफ्तार

सूरत। शहर चोरी के मोबाइल का इ.एम.आई. नंबर बदलकर बिक्री करनेवाले गिरोह को अठवा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरोह के पास से 18 मोबाइल तथा इएमआई बदलने का सो टवेयर, कॉ प्युटर समेत सामान जब्त किया है।

अठवा पुलिस ने पूर्व सूचना के आधार पर राहगीरों के हाथ से मोबाइल झपटनेवाले गिरोह के मोहंमद सादीक उर्फ कालु सलीम अमिर शेख (निवा. कोसाड आवास), विशाल उर्फ प्रशांत छोटु उत्तम पवार (निवा. कोसाड आवास) और मुस्तफा उर्फ टीलीली महेबुब अली मोह मद सैयद (निवा. शीतल टॉकिज, चार रास्ता) बाइक के साथ गिरफ्तार कर उसके पास से 13 मोबाइल कब्जे किया। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर पूछताछ करने पर बताया कि मोबाइल शहर के अलग-अलग विस्तार से राहगीरों के हाथ से छीनैती करने और सभी मोबाइल एकत्र कर कोसाड आवास में शाहुरा मोबाइल शॉप चलानेवालेसोहेल उर्फ सद्दाम मुस्ताक शेख को बेच दिया था। सोहेल ने सस्ते में चोरी के मोबाइल खरीदी कर उसका एएमआई नंबर बदलकर फिर बिक्री करता था। जिससे पुलिस ने सोहेल शेख की दुकान को भी जांच किया तो दुकान से अन्य 18 मोबाइल मिले। पुलिस ने सभी मोबाइल, कॉ प्युटर समेत इलेक्ट्रोनिक्स का सामान बरामद कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सूरत के व्यापारी के साथ लाखों की धोखाधड़ी

सूरत। शहर के रिंग रोड न्यु टेक्सटाइल मार्केट के व्यापारी से 5.81 लाख रूपए का ड्रेस मटीरियल्स का माल खरीदने के बाद हरियाणा के बंसल पिता-पुत्र और नागपाल पिता-पुत्र ने भुगतान नहीं चुकाकर धोखाधड़ी की।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों के अनुसार पीपलोद वास्तु लक्जरिया एपार्टमेंट निवासी सुमित कुमार सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल रिंग रोड न्यु टेक्सटाइल मार्केट का दुकान चलाते हैं। सुमितकुमार के पास से अप्रैल 2017 में हरियाणा अंबाला सिटी रतनगढ रोड में वेदिंका टैक्स के मालिक दीपांशु हेमंत बंसल, हेमंत बंसल तथा हरमिलाप सिल्क स्टोर्स के मालिक अइनल इन्दरलाल नागपाल और रमण अनिल नागपाल ने समय से भुगतान चुकाने का भरोसा देकर 5,8 1,221 रूपए का ड्रेस मटीरियल का माल खरीदा था। तय किए समय सीमा पूर्ण होने पर सुमित कुमार द्वारा भुगतान की वसूली करने पर आरोपियों ने भुगतान नहीं चुकाकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने सुमित कुमार की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सिटीलाईट के अधेड़ ने की आत्महत्या

सूरत। शहर के सिटीलाइट इलाके में अधेड़े ने जहरीली दवा गटककर आत्महत्या कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिटीलाइट स्वस्तिक बंग्लोज निवासी राजा जीतेन्द्र साडीवाला ने गत रोज रात को अनाज में डालने की दवा पी लिया। जिसे उपचार हेतु निजी अस्पताल भर्ती किया गया। वहां उपचार दौरान उनकी मौत हो गई। गत कई दिनों से राजा साडीवाला तनाव में रहता था। पुलिस ने घटना के संदर्भ में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

लाखो किलो शुद्ध घी का अभिषेक किया गया

रुपाल के पल्ली उत्सव में १२ लाख से अधिक लोग पहुंचे

पुरी रात धर्मोत्सव का वातावरण रहा : श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में लेते हुए कुल १४ स्थलों पर पार्किंग

अहमदाबाद। गांधीनगर जिले में रुपाल गांव में वरदायनी माता की भव्य पल्ली उत्सव का आज समापन हुआ। देर रात पल्ली उत्सव की शुरुआत हुई। इसके बाद उत्सव सुबह १०.३० बजे तक आसपास तक चला। इस दौरान लाखो भक्तो ने दर्शन किये। इसके अलावा लाखो किलो घी का अभिषेक भी किया गया। मिली जानकारी के मुताबिक पिछले दो दिनो में ही १२ लाख से भी अधिक श्रद्धालुओं ने पल्ली और मंदिर में दर्शन किये। पुरी रात ऐतिहासिक धर्मोत्सव का वातावरण रहा। रुपाल गांव में माता वरदायीनी की पल्ली यात्रा हर साल नवरात्रि पर्व के अंतिम दिन निकाली जाती है और अगले दिन तक यह उत्सव का आयोजन होता है। बाद में श्रद्धालुओं की ओर से माताजी को शुद्ध घी का अभिषेक किया जाता है। इसबार श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने से १४ स्थलो पर पार्किंग की व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालुओं को कोई तकलीफ न हो इसलिए विशेष आयोजन किये गये थे। आज सुबह पांच बजे पल्ली उत्सव की शुरुआत होने के बाद १०.३० बजे तक आयोजन चला। गुरुवार से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पल्ली में पहुंचने लग गये थे। गांव के २४ स्थलो पर घुमने के बाद पल्ली सुबह माताजी के मंदिर के निकट बनाये गए पल्ली मंदिर में वापस पहुंची।

देर रात निकली इस पल्ली में करोड़ों के घी से अभिषेक किया गया। कई लोग तो १५ किलो घी के डिब्बे सीधे ट्रोली में डालते हुए दिखे। गांव में धार्मिक माहौल देखने मिला था। श्रद्धा की देवी वरदायनी माता के दर्शन के लिए लाखो श्रद्धालु आये थे। गांव में सीसीटीवी कैमरे भी स्थापित किए गए थे। श्रद्धालु की संख्या अधिक होने के कारण श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्था की गई थी और जिला कलेक्टर द्वारा तंत्र को अलर्ट किया गया था। मंदिर के आसपास तथा गांव में पुलिस तैनात की गई थी। रुपाल में पुरी रात धार्मिक वातावरण रहा था। भक्तों को माता के दर्शन करने का मौका मिला था। गांधीनगर के पास सुप्रसिद्ध रुपाल गांव में गुरुवार दोपहर से ही श्रद्धालुओं की भीड देखने मिली थी। साथ ही गांव की गली गली में रखी गई ट्रेक्टर ट्रॉली शुद्ध घी से भरी हुई दिखाई दे रही थी। मंदिर में रखे गए पीप में भक्तों द्वारा घी डाला जा रहा था। मानता पूरी करने आए भक्तों द्वारा घी खरीदने के लिए मंदिर के आसपास दुकानों में भीड देखने मिली। मंदिर में कडी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालुओं की भीड के कारण मंदिर के आसपास के रास्ते पांच बजे से बंद कर दिए गए थे।

वीवर्स के साथ लाखों की ठगी

सूरत। शहर के वेडरोड इलाके में पावर लू स मालिक के पास से सांई दर्शन मार्केट के व्यापारी ने 17.79 लाख रूपए का कपड़े का माल खरीदने के बाद भुगतान नहीं चुकाकर धोखाधड़ी की।

चौक बाजार पुलिस सूत्रों के अनुसार सिंगमपोर गांव तालाब फलियु निवासी नरेश रमणलाल मोदी वेडरोड धनकुबेर इण्डस्ट्रीयल सोसायटी में कारखाना चलाते हैं। नरेश के पास से जुलाई महीने में सांई दर्शन मार्केट में दुर्गा साड़ी के नाम से दुकान चलानेवाले मुकेश सदाराम पुरोहित ने 20 दिन में भुगतान चुकाने का भरोसा देकर अलग-अलग कारखाने से 17,79,014 रूपए के ताके का माल खरीदा था जिसके सामने चेक दिया था। जो चेक प्रकाश ने अपने बैंक खाते में जमा कराया। खाते में बैलेन्स नहीं होने के कारण रिटर्न हो गया। पुलिस ने मुकेश पुरोहित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

एकता यात्रा के पहले चरण की शुरुआत

राज्य के १० हजार गांव में एकता यात्रा का शुभारंभ

अहमदाबाद। स्टेच्यु ऑफ युनिटी के लोकार्पण के कार्यो का निरीक्षण करने के एक दिन बाद आज ऐतिहासिक नगरी बारडोली से एकता यात्रा के प्रथम चरण का प्रारंभ हुआ। पांच हजार गांवो में ६० रथ एकता का संदेश फैलायेंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल की देश की एकता और अखंडता की भावना को जन जन में फैलाने के लिए राज्य के १० हजार गांवो में एकता यात्रा का आज शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने इस अवसर पर कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा बनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को विश्व में प्रचलित कर दिया है। वल्लभभाई ने किसानों के लिए जीवन समर्पित किया था। गुजरात सरकार ने बारडोली से किसानों की आय दो गुनी करने, अतिरिक्त बिजली बेचकर किसानों की आवक दो गुनी करने के लिए भारत में गुजरात सरकार ने सबसे पहले पहल की है। स्वतंत्रता के बाद पहलीबार भाजप सरकार ने गन्ने के समर्थन मूल्य में खरीदी करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एकता यात्रा प्रत्येक गांव और प्रत्येक नागरिक में देश की एकता की भावना जगाएगी। देश हित सर्वोपरी बने इस हेतु से काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ३१ अक्टूबर के दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का लोकार्पण करेंगे। यह दिन भारत के इतिहास का अहम दिन होगा। उन्होंने कहा कि यह स्मारक सरदार के विराट व्यक्तित्व और बुलंद मिजाज को उजागर करनेवाले एवं देशवासियों को सदियो तक प्रेरणा देनेवाला स्मारक होगा। रुपाणी ने कहा कि

सरदार साहब ने ५६२ शासको को एकत्रित करते हुए अखंड देश का निर्माण किया था।

रुपाणी ने यह भी कहा कि सरदार साहब का जीवन और इतिहास दुनिया समजे इस दिशा में काम किये जा रहे है। उनके जीवन आदर्शो से युवा लोग प्रेरित हो इस दिशा में भी काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजप सरकार किसानों को मुश्किल स्थिति में से बाहर निकालकर आर्थिक रुप से समृद्ध करने के लिए कटिबद्ध है। पहलीबार बीजेपी सरकार ने गन्ने की भी समर्थनमूल्य से खरीदी करने का फैसला किया है। नवम्बर महिने से यह प्रक्रिया शुरु होगी।

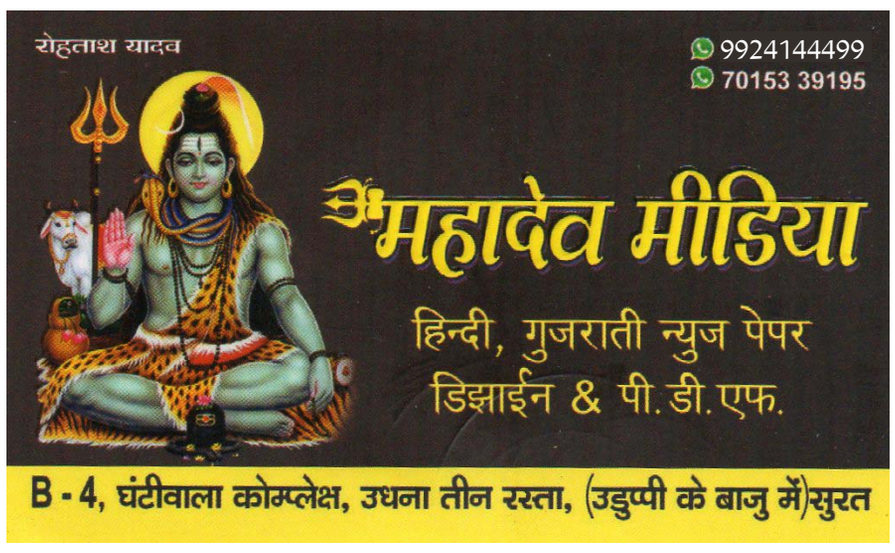

नवरात्रि उत्सव : युवतियों से छेडखानी में २७८ गिरफ्तार

अहमदाबाद। अहमदाबाद समेत राज्यभर में पिछले ९ दिन से जारी नवरात्रि का उत्सव आखिरकार हर्षोल्लास और भक्तिभाव के बीच पूर्ण हो चुका है। किन्तु नवरात्रि के इन नौ दिनो के दौरान अहमदाबाद पुलिस ने प्रशंसनिय कार्रवाई की है। शहर के अलग अलग इलाको में से युवतियों की गरीमा को ठेस पहुंचे इस प्रकार का वर्तन करनेवाले २७८ और शराब के नशे में रहे ४३८ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सूरत। जलाराम मित्र मंडल गोडादरा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com